Sociology

Class:- P.G 1st SEM

Paper — 1st

Topic :- (Classifications of Social group)
सामाजिक समूह और उनका वर्गीकरण

समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए कुछ समूहों का सदस्य आवश्य होता है. जैसे- परिवार, पड़ोस, मोहल्ले, गांव अथवा नगर। व्यवसायिक आधार पर भी हम में से प्रत्येक व्यक्ति मजदूर, क्लर्क, कलाकार, अध्यापक, इन्जीनीयर, डॉक्टर, अथवा व्यापारी समूह का सदस्य होता है। आयु के आधार पर हम बच्चों के समूह, युवा, प्रौढ़ अथवा वृद्ध समूह के सदस्य होते है। लिंग के आधार पर स्त्री और पुरुष समूह के सदस्य होते है। इस प्रकार यह निष्कर्ष दिया जा सकता है कि सामाजिक समूह एक प्रकार का संगठन है, जिसके सदस्य एक दूसरे को जानते हैं और वैयक्तिक रूप से एक दूसरे से अपनी एकरूपता (identification) स्थापित करते हैं।

मैकाइवर और पेज — "समूह से हमारा तात्पर्य व्यक्तियों के किसी भी ऐसे संग्रह से है, जो सामाजिक सम्बन्धों के कारण एक दूसरे के समीप होते हैं।"

ऑगबर्न एवं निमकॉफ — "जब कभी भी दो या दो से अधिक व्यक्ति एकत्रित होकर एक-दूसरे पर प्रभाव डालते हैं, तब वे एक समूह का निर्माण करते हैं।"

ये परिभाषाएँ इस तथ्य की ओर संकेत करती हैं कि समूह ऐसे व्यक्तियों का संग्रह है, जो सामाजिक, अर्थपूर्ण अंतःक्रियाओं और सामान्य स्वार्थों की पूर्ती के लिए सम्बन्धों की स्थापना करते हैं, एक दूसरे को प्रभावित करते हैं और एक समूह का निर्माण करते हैं।

सामाजिक समूहों का वर्गीकरण (classifications of social group)

मैकाइवर और पेज के द्वारा समूहों का वर्गीकरण —

समूह	प्रमुख विशेषताएँ	उदाहरण
1. क्षेत्रीय समूह	1. (a) संपूर्ण हितों से संबन्धित (b) एक ही क्षेत्र में व्यवसाय	समुदाय, वन्यजाति, राष्ट्र, नगर, गाँव, पड़ोस
2. हितों के प्रति चेतन समूह, जिनका निश्चित संगठन नहीं होता।	2. (a) समूह के सदस्यों में समान मनोवृत्ति (b) अनिश्चित सामाजिक संगठन (c) पद प्रतिष्ठा और अवसरों में अन्तर	सामाजिक वर्ग, जाति, प्रतिस्पर्द्धी वर्ग, प्रजातिय समूह, शरणार्थी समूह, भीड़, राजकिय समूह।
3. हितो के प्रति चेतन समूह	3. (a) हितों का सिमित क्षेत्र (b) निश्चित सामाजिक संगठन	प्राथमिक समूह- परिवार, पड़ोस, क्लब, खेल के साथी